



न्यूज़ ब्रीफ

वैश्विक एकजुटता और मजबूत तैयारियों से ही महामारियों के खतरों से निपटा जा सकता है: एंटोनियो गुटेरेस



न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महामारियों को रोकने, उनसे निपटने की तैयारी करने और उनके खिलाफ ठोस कदम उठाने के लिए पूरी दुनिया से मिलकर काम करने की वकालत की है। उन्होंने साफ किया कि कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर खुद को भविष्य की महामारियों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं रख सकता। महामारियों से निपटने के विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में उनका यह संदेश संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद द्वारा पढ़ा गया। गुटेरेस ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने दुनिया को कड़वा सबक सिखाया है कि आपस में गहराई से जुड़ी इस वैश्विक व्यवस्था में सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास अनिवार्य हैं। भविष्य की किसी भी स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए लंबी अवधि की मजबूत तैयारियों को आवश्यक बताकर उन्होंने कहा कि यह रूपरेखा सभी के लिए बराबरी, आपसी सहयोग और प्रभावी साझेदारी पर आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा, विज्ञान के अधिकाधिक उपयोग, लोकल समुदायों की सक्रिय भागीदारी और अग्रिम पवित्र के स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस ने वैश्विक स्तर पर फंडिंग की भारी कमी को दूर करने की आवश्यकता पर जोर देकर सरकारों से अपील की कि वे अपने वादों को पूरा करें और लोगों की जान बचाने के लिए निरंतर संसाधन उपलब्ध कराएं। उन्होंने वन हेल्थ यानी एक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण को अपनाने की बात कही, जिसके तहत इंसानों की सेहत को पर्यावरण और जानवरों के स्वास्थ्य से जोड़ा गया है ताकि प्रकोप को इंसानों तक पहुंचने से पहले ही रोका जा सके।

मगरमच्छों के पाचन तंत्र में पत्थरों की होती है खास भूमिका: विशेषज्ञ



वाशिंगटन। क्या आप जानते हैं कि मगरमच्छ छोटे-छोटे पत्थर भी निगलता है मगरमच्छों के पाचन तंत्र में इन पत्थरों की खास भूमिका बताई जाती है। इन्हें गैस्ट्रोलिथ कहा जाता है। ये पत्थर मगरमच्छ के पेट में रहकर भोजन को छोटे हिस्सों में तोड़ने में मदद कर सकते हैं। मगरमच्छ अपने शिकार को इंसानों की तरह चबाकर नहीं खाता। कई बार वह मांस और दूसरे ऊतकों को बड़े टुकड़ों में ही निगल जाता है। शिकार के साथ हड्डियां और अन्य कठोर हिस्से भी उसके पेट में पहुंच सकते हैं। ऐसे में पेट में मौजूद गैस्ट्रोलिथ भोजन को यांत्रिक रूप से पीसने में मदद करते हैं। इसे प्राकृतिक ग्राइंडर की तरह समझा जा सकता है, जो भोजन के बड़े टुकड़ों को छोटे हिस्सों में बदलने में योगदान देता है। इसके साथ ही मगरमच्छ के पेट में मौजूद मजबूत गैस्ट्रिक अम्ल भी पाचन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन को रासायनिक रूप से तोड़ने में मदद करता है। जब शिकार के साथ हड्डियां या अन्य कठोर पदार्थ पेट में पहुंचते हैं, तो गैस्ट्रिक अम्ल उनके टूटने और पाचन की प्रक्रिया में योगदान दे सकता है। इस तरह गैस्ट्रोलिथ और पेट का अम्ल अलग-अलग तरीकों से पाचन में मदद करते हैं।

100 साल बाद वैज्ञानिकों ने पहचानी जंगली बिल्ली की नई प्रजाति

न्यूयार्क। बोलीविया के वैज्ञानिकों ने जंगली बिल्ली की एक ऐसी प्रजाति की पहचान की है, जिसे विज्ञान ने अब



तक अलग प्रजाति के रूप में दर्ज नहीं किया था। बादलों से ढके युगास के पहाड़ी जंगलों में करीब 46 सेंटीमीटर लंबी और लगभग 1.4 किलोग्राम वजन वाली यह बिल्ली आकार में सामान्य घरेलू बिल्ली से भी छोटी है। वैज्ञानिकों ने इसका नाम लेपेइस तिलकायो रखा है। स्थानीय स्तर पर इसे तिलकायो नाम से जाना जाता है। खास बात यह है कि इस प्रजाति का एक नर बिल्ली कुछ समय तक स्थानीय परिवार के घर में पाला भी जा रहा था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, तिलकायो दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले टाइगर कैट समूह का हिस्सा है। वैज्ञानिक रूप से किसी जीवित नई बिल्ली प्रजाति की औपचारिक पहचान लंबे समय बाद हुई है। इस बिल्ली का शरीर हल्के भूरे रंग का है और उस पर अनियमित आकार की रोसेट जैसी धारियां दिखाई देती हैं। इसके छोटे आकार के बावजूद इसकी आनुवंशिक पहचान ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा। इस खोज में 10 साल के एक नर तिलकायो की भूमिका खास रही। वह पहले एक स्थानीय परिवार के घर में रहता था। बाद में उसे संदा वंद वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया। शोधकर्ताओं को उसकी शारीरिक बनावट मौजूदा टाइगर कैट प्रजातियों से अलग लगी।

अमेरिका के पूर्वोत्तर में तूफान से जनजीवन प्रभावित, सैकड़ों उड़ानें रद्द

न्यूयार्क अमेरिका के पूर्वोत्तर हिस्से में तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए शक्तिशाली नारईस्टर तूफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। तूफान के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यूयार्क, न्यू जर्सी, कनेक्टिकट और मैसाचुसेट्स में 75 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित हो गई। न्यूयार्क, बोस्टन और फिलाडेल्फिया समेत कई शहरों और आसपास के इलाकों में खराब मौसम का असर देखा जा रहा है। मौसम अधिकारियों ने तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आने और निचले इलाकों की सड़कों पर पानी भरने की आशंका जताई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, सप्ताहांत में समुद्र में ज्वार के कई चक्रों के दौरान मिड-अटलांटिक तट पर गंभीर बाढ़ आ सकती है। न्यूयार्क को गवर्नर कैथी होकुल ने बताया कि तूफान न्यूयार्क सिटी के तटीय इलाकों और लाना आइलैंड की ओर बढ़ रहा है। लाना आइलैंड में अगले कुछ दिनों के दौरान करीब 15 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। कुछ तटीय क्षेत्रों में छह मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने लोगों को तेज हवाओं और बिजली के तार गिरने के खतरे को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। **सैकड़ों उड़ानें रद्द** - तूफान के चलते सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुईं। फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइटअवेयर के अनुसार, अकेले बोस्टन के लोगान हवाई अड्डे पर करीब 130 उड़ानें रद्द की गईं। जेटब्लू, यूनाइटेड और अमेरिकन एयरलाइंस समेत कई प्रमुख विमानन कंपनियों ने यात्रियों को यात्रा में बदलाव की सुविधा देने के लिए अलर्ट जारी किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी न्यूयार्क मुख्यालय में महासभा की कबरेज कर रहे मीडिया संस्थानों से तेज हवाओं के मद्देनजर बाहर लगाए गए प्रसारण उपकरण हटाने को कहा। **कई बड़े आयोजन रद्द** - खराब मौसम का असर क्षेत्र के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। न्यूयार्क में ग्लोबल सिटीजन और आल थिंस गो संगीत समारोह रद्द कर दिए गए, जबकि

मैरीलैंड में ओशन्स कालिंग कार्यक्रम भी नहीं हो सका। र्लोबल सिटीजन के आयोजकों ने कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम रद्द करने का फैसला किया गया। यह 14 वर्षों में पहली बार था जब उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 13 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान था। यह मात्रा एक महीने से अधिक की सामान्य बारिश के बराबर बताई गई। खराब मौसम के कारण ब्रिटिश पाप गायक एड शीरन के बोस्टन के पास सप्ताहांत में होने वाले संगीत कार्यक्रम भी रद्द कर दिए गए। न्यू इंग्लैंड के तट पर हवाओं की रफ्तार 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी।

मिसाइल युग से आगे निकला अमेरिका ला रहा लेजर ड्रोन शिकारी हेलियोस

वाशिंगटन मध्य पूर्व में ड्रोन और मिसाइलों के बढ़ते खतरों के बीच, अमेरिका अपनी सैन्य क्षमताओं को एक नए आयाम दे रहा है। अमेरिकी नौसेना ने हाई-एनर्जी लेजर हथियार हेलियोस तैयार किया है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक मिसाइलों का उपयोग किए बिना ड्रोन और अन्य हवाई खतरों का मुकाबला करना है। यह हेलियोस (हाई-एनर्जी लेजर इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल डिस्टर) 60 किलोवाट श्रेणी का शक्तिशाली लेजर हथियार है। हेलियोस को विशेष रूप से अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें यूएसएस प्रेबल पर इसकी तैनाती का जा चुका है। हेलियोस का मुख्य कार्य ड्रोन को निशाना बनाना, उनके सेंसर को निष्क्रिय करना और दुश्मन के निगरानी उपकरणों से निपटना है। पारंपरिक मिसाइल दागने के बजाय, हेलियोस ऊर्जा की एक केंद्रित किरण का उपयोग करके लक्ष्य को भेदता है। अमेरिकी नौसेना के अनुसार, इसका उद्देश्य मानव रहित हवाई वाहनों, छोटी नौकाओं और दुश्मन के आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) सेंसर जैसे लक्ष्यों से निपटना है। इस प्रणाली को भविष्य में और अधिक शक्तिशाली बनाने की क्षमता भी रखी गई है। अमेरिकी नौसेना की 2025 की रक्षा रिपोर्ट में ड्रोन के खिलाफ इसके परीक्षण का भी उल्लेख किया गया है।

इस लेजर प्रणाली के तहत, पहले रडार और अन्य सेंसर की मदद से ड्रोन का पता लगाया जाता है। इसके बाद, ऑप्टिकल सिस्टम लक्ष्य को ट्रैक करता है और लेजर बीम को ड्रोन के कमजोर हिस्से पर केंद्रित करता है। तकनीकी विवरण के अनुसार, आपरेटर ड्रोन की तस्वीर देखकर उसके कमजोर बिंदु की पहचान कर सकता है, जिसके बाद तेज गति से घूमने वाले दर्पण लेजर बीम को लगातार उसी स्थान पर केंद्रित रखते हैं। यह प्रक्रिया प्रत्येक लक्ष्य के लिए महंगी इंटरसेप्टर मिसाइल दागने की आवश्यकता को समाप्त करती है, जिससे लागत में बड़ी बचत होती है। 2014 में फारस की खाड़ी में ऐसे ही लेजर सिस्टम के शुरुआती परीक्षण हुए थे, जिसमें ड्रोन और समुद्री लक्ष्यों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया था।

लेजर हथियारों का एक बड़ा फायदा यह है कि छोटे ड्रोनों को रोकने के लिए बार-बार महंगी इंटरसेप्टर मिसाइलें खर्च नहीं करनी पड़तीं। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं।



पहली नजर में प्यार हुआ था, मैं तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा, हालीवुड अभिनेता माइकल ने कैथरीन के जन्मदिन पर लिखा-भावुक पोस्ट

लास एंजिलिस। हालीवुड अभिनेता माइकल डगलस ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री कैथरीन जीटा-जोन्स के साथ जन्मदिन के मौके पर उनके लिए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि फिल्मी पढ़ें पर उन्हें पहली बार किसी से प्यार तब हुआ, जब उन्होंने कैथरीन को देखा। माइकल डगलस ने इंस्टाग्राम पर कैथरीन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में अपनी आने वाली पुस्तक वन हेल्वा राइड का एक अंश भी लिखा। उन्होंने लिखा- फिल्मी पढ़ें पर मुझे कभी किसी से प्यार नहीं हुआ था, जब तक मैंने कैथरीन को नहीं देखा था। वह सिर्फ खूबसूरत ही नहीं थीं, बल्कि उनमें एक ऐसा जादू था जो सुंदरता से कहीं बढ़कर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइकल ने लिखा- मुझे उतना यकीन पहले कभी किसी बात पर नहीं हुआ था, जितना इस बात पर था कि वही मेरी जीवनसाथी हैं। जिंदगी में ऐसा पल शायद सिर्फ एक बार आता है, जब आपको बिना किसी शक के महसूस होता है कि आप किसी खास इंसान के साथ रहने के लिए बने हैं। जन्मदिन मुबारक हो, कैथरीन। मैं तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा। कैथरीन जीटा-जोन्स ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- धन्यवाद डार्लिंग। तुम्हें भी जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, मेरे प्यार। बता दें माइकल डगलस और कैथरीन जीटा-जोन्स ने साल 2000 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं- डिलन (24) और केरीज (21)। उनकी पहली मुलाकात अगस्त 1998 में फ्रांस के डोविल अमेरिकन फिल्म फेस्टिवल में हुई थी, जहां अभिनेता डैनी डेविटो ने दोनों का परिचय कराया था। दोनों ने 31 दिसंबर 1999 को सगाई की और 18 नवंबर 2000 को न्यूयार्क में शादी की। माइकल डगलस की यह दूसरी शादी थी। इससे पहले उनकी शादी डायंड्रा लुबर से हुई थी, जिनसे उनका एक बेटा कैमरुन डगलस है।



पाल-बेलारूस के बीच राजनयिक और सरकारी पासपोर्ट धारकों को वीजा छूट का समझौता



काठमांडू। नेपाल और बेलारूस के बीच राजनयिक, सरकारी तथा सेवा पासपोर्ट धारकों को वीजा छूट देने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर न्यूयार्क में आयोजित एक साइडलाइन कार्यक्रम में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और बेलारूस के विदेश मंत्री मैक्सिम रिजेनकोव ने दोनों सरकारों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर से पहले दोनों विदेश मंत्रियों के बीच सहार्दपूर्ण मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों देशों के आपसी हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

न्यूयार्क रुस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए।

हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं।

लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया।

उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया। लावरोव ने

जर्मनी-जापान का विरोध किया, सुरक्षा परिषद में 5 परमानेंट मेंबर, भारत 8 बार अस्थायी सदस्य रहा

ने साथ ही कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए।

दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7 प्रतिशत से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत परमाणु



जिनपिंग की अमेरिका यात्रा बिना किसी बड़ी व्यापार डील और एआई के समाप्त

ट्रंप ने शी को ईरान को किसी भी तरह की मदद न देने की दी सख्त चेतावनी

वाशिंगटन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पूरी कर ली और वाशिंगटन से चीन के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार, ईरान, यूक्रेन, ताइवान और एआई जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, यात्रा का समापन बिना किसी बड़ी नई व्यापार डील या एआई पर ठोस समझौते के हुआ, जबकि ट्रंप ने ईरान को लेकर चीन को सीधी चेतावनी दी। ट्रंप ने इस यात्रा में शी जिनपिंग को ईरान को सीधे या परोक्ष रूप से किसी भी तरह की मदद न देने की सख्त चेतावनी दी। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के चीन में राजदूत डेविड पर्ड्यू के मुताबिक ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईरान को ऐसी मदद देना अमेरिका को स्वीकार्य नहीं होगा। चीन की ओर से अमेरिका को यह भरोसा दिलाया कि वह ईरान को ऐसी मदद नहीं देगा। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि चीन से ईरान को हथियार और सैन्य मदद मिल सकती है, साथ ही ईरान पर लगे प्रतिबंधों से बचने के लिए चीन के जरिए तेल बेचने की कोशिशों की भी खबरें हैं। ईरान का मुद्दा होर्मुज संकट के कारण चीन के



लिए भी अहम है, क्योंकि चीन पश्चिम एशिया से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता है और होर्मुज से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का सीधा असर उसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। शीदोनों देशों ने पहले से चल रहे व्यापार युद्धविराम को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई, जो एक राहत भरी खबर थी, खासकर अमेरिकी किसानों के लिए। शी जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका और चीन को जिम्मेदारी है कि एआई का विकास इंसानों के नियंत्रण में रहे, लेकिन ट्रंप और जिनपिंग की इस बैठक में एआई की होड़ को रोकने या दोनों देशों के बीच कोई बड़ी नई व्यवस्था बनाने की घोषणा नहीं हुई। यूक्रेन और

ताइवान जैसे कुछ अन्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धा वाले मुद्दों पर मतभेद बने रहे और उनका पूरी तरह से समाधान नहीं हो सका।

रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग के रवाना होते ही ट्रंप ने अपने ट्वि्ट सोशल अकाउंट पर दोनों नेताओं और उनकी पत्नियों, मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन को एक तस्वीर साझा की, जिस पर अमेरिका इज बेक लिखा था। तीन दिवसीय यात्रा में ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति का बहुत ही भव्य स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने व्हाइट हाउस और नेशनल आर्काइड्स का दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिका के ऐतिहासिक दस्तावेजों का अवलोकन किया और बाद में साथ में चाय भी पी।

शक्ति संपन्न है, लेकिन वो इसका दिखावा नहीं करता। अगर भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाता है तो परमाणु निरस्त्रीकरण प्रोग्राम में वह अहम भूमिका निभा सकता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल के सर्वे के मुताबिक यदि अगले एक दशक में यूएनएससी का विस्तार होता है तो उसमें सबसे ज्यादा मौके भारत के लिए होंगे। एक्सपर्ट्स के बीच कराए गए सर्वे के अनुसार, भारत के स्थायी सदस्य बनने की संभावना 26 प्रतिशत रहेगी। भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 से जारी भारत की यूएनएससी में

स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से उठती रही है। 2008 से यूएन में सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई। 2010 में भारत ने ब्राजील, जर्मनी और जापान के साथ जी4 समूह बनाकर स्थायी सीट की मांग आगे बढ़ाई। 2026 में भी सुधार को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन सदस्य देशों के बीच यूएनएससी के नए ढांचे पर सहमति नहीं बनी है। परिषद के सदस्य 15, वीटो राइट सिर्फ 5 को सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य हैं। इनमें 5 स्थायी सदस्य- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन हैं। इन सबको वीटो पावर हासिल है। इसके अलावा 10 गैर-स्थायी सदस्य होते हैं, जिन्हें 2 साल के कार्यकाल के लिए चुना कराए गए। सबसे पहले 1945 में ब्रिटेन, फ्रांस, यूएन, सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए स्थायी सदस्यता का फैसला किया गया था। यह 14 वर्षों में पहली बार था जब उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 13 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान था। यह मात्रा एक महीने से अधिक की सामान्य बारिश के बराबर बताई गई। खराब मौसम के कारण ब्रिटिश पाप गायक एड शीरन के बोस्टन के पास सप्ताहांत में होने वाले संगीत कार्यक्रम भी रद्द कर दिए गए। न्यू इंग्लैंड के तट पर हवाओं की रफ्तार 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी।